पुस्तक के सम्बन्ध में

ऐडीज मच्छरों द्वारा पारेषित रोगों की श्रृंखला में डेंगू एवं चिकुनगुन्या महत्वपूर्ण हैं। डेंगू रोगों के संक्रमण की भयाबहता डेंगू रक्तस्रावी ज्वर एवं डेंगू शॉक सिन्ड्रोम के रूप में परिभाषित होती है। चिकुनगुन्या की रोगग्रस्तता है इसके विषाणु में उत्परिवर्तन के कारण प्रमुख जनस्वास्थ्य समस्या के रुप में यह परिलक्षित होती है। डेंगू एवं चिकुनगुन्या के रोगवाहक *ऐडीज एजेप्टी* की सीमित उड़ान क्षमता, घुसपैठ की प्रवृत्ति, मानव निर्मितस्वच्छ पानी के बर्तनों, जल आधारित कन्टेनर्स में जनन का मिलना, मानव रक्तरागी स्वरुप का पाया जाना इत्यादि कारकों ने इन रोगों की जटिलता प्रदान की है। डेंगू एवं चिकुनगुन्या में किसी विशिष्ट चिकित्सा उपचार एवं वैक्सीन के न होने से रोगवाहकों के जनन स्थल में कमी करते हुये रोग संक्रमण में कमी की जा सकती है।

प्रस्तुत पुस्तक इन्हीं उददेश्यों को ध्यान में रखते हुये पाठकों के समक्ष प्रस्तुत की गयी है। इस पुस्तक के प्रथम भाग में ऐडीज मच्छर का परिचय देते हुए इसकी आकारिकी, लक्षणों एवं कीट वैज्ञानिक सर्वेक्षणों की व्याख्या की गयी है। दूसरे भाग में डेंगू रोग का विवरण, परिभाषा, भारतीय परिदृश्य के साथ–साथ नगरीकरण एवं वैश्वीकरण के दुरभि सन्धि की व्याख्या के साथ–साथ विकासात्मक परियोजनाओं में स्वास्थ्य प्रभाव मूल्यांकन को स्पष्ट किया गया है। तीसरे भाग में डेंगू निदान विवरण की विस्तृत व्याख्या और चतुर्थ भाग में नवीन उपायों का विस्तृत विवरण दिया गया है साथ में वैक्सीन एवं विषाणु रोधी औषधियों की प्रगति को भी जानकारी दी गयी है। पाँचवें भाग में चिकुनगुन्या प्रकोप की व्याख्या और छठें भाग में रोगवाहक नियंत्रण एवं प्रबन्धन के अन्तर्गत जनन स्थलों के व्यवहारिक चित्रण का प्रदर्शन करते हुए जैवपर्यावरणीय पद्वतियों के क्रम में समन्वित सामुदायिक प्रबन्धन की उपयोगिता बतायी गयी है। पुस्तक के अन्तिम भाग में रोग के आर्थिक भार का मूल्यांकन करते हुए संचार की भूमिका, को स्पष्ट करते हुये रोग निवारण से सम्बन्धित बिन्दुओं को समझाया गया है।

आशा है प्रस्तुत पुस्तक इन रोगों के नियत्रण में जनचेतना विकसित करने के साथ–साथ रोगभार को कम करने में सहायक होगी तथा सूचना, शिक्षा एवं सम्प्रेषण के उदद्श्यों को परिपूर्ण करने में सफल होगी।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
स्वास्थ्य एवं परिवार कत्याण मंत्रालय
वी. रामलिंगस्वामी भवन, पोस्ट बॉक्स 4911
अंसारी नगर, नई दिल्ली – 110 029
फोन: 91–11–26588980, 26589794, 26588895
ई–मेल: icmrhqds@sansad.nic.in
वेबसाइट: http://www.icmr.nic.in

डेंगू एवं चिकुनगुनिया : रोग प्रसार एवं रोकथाम — प्रो. विनोद प्रकाश शर्मा

New Arrival

डेंगू एवं चिकुनगुनिया
रोग प्रसार एवं रोकथाम

Price Rs. 500/-
+
Postage Rs. 96/-

सम्पादक
प्रो. विनोद प्रकाश शर्मा

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली

विषय–सूची

क्र. सं.	शीर्षक		पृष्ठ संख्या
	प्राक्कथन		iii.
	शुभकामनाएं		v.
	आमुख		vii.
	आभार		ix.
1.	प्रस्तावना		1
	अ–ऐडीज : एक परिचय		
2.	*ऐडीज* रोगवाहक वेक्टर की जैविकी एवं वर्गिकी (पहचान) का विवरण		16
3.	*ऐडीज* रोगवाहक मच्छरों के कीटवैज्ञानिक सर्वेक्षणों एवं सूचकों के विवरणों का पुनरावलोकन		30
	ब– डेंगू : रोग परिचय एवं विस्तार		
4.	डेंगू रोग का विवरण		46
5.	विश्व स्वास्थ्य संगठन आधारित डेंगू रोग की परिभाषा एवं वर्गीकरण का मूल्यांकन		63
6.	दक्षिण पूर्व एशिया में डेंगू रोग का विस्तार, बचाव एवं कौशलात्मक चुनौतियाँ		66
7.	भारत में डेंगू का परिदृश्य, महामारी विशेषतायें एवं इसका नियंत्रण		73
8.	इक्कीसवीं सदी में डेंगू का स्वरूप–नगरीकरण, वैश्वीकरण के दुरभि–संधि की विभीषिका		89
9.	डेंगू, डेंगू रक्तस्रावी ज्वर एवं डेंगू शॉक सिन्ड्रोम/डी.एस.एस.: जनस्वास्थ्य की वैश्विक समस्या		100
10.	विकासात्मक परियोजनायें एवं रोगवाहक रोगों के नियंत्रण में स्वास्थ्य प्रभाव मूल्यांकन (हेल्थ इम्पैक्ट एसेसमेन्ट) का परिदृश्य		113
	स–डेंगू निदान विवरण एवं चुनौतियाँ		
11.	11.1	परिचय	118
	11.2	डेंगू का प्रयोगशाला निदान विवरण	122
	11.3	डेंगू का परीक्षण–एक दृश्यावलोकन	124
	11.4	डेंगू संक्रमण हेतु प्रयोगशाला नैदानिक विधियाँ – महामारीविज्ञान एवं क्षेत्रीय अध्ययनों का विवरण	125
	11.5	डेंगू विषाणु संक्रमण की तीक्ष्ण प्रावस्था हेतु त्वरित/रैपिड इम्युनोक्रोमैटोग्राफिक मापन/एस्से की नैदानिक विशुद्धता एवं IgM ऐण्टीबाडीज के पहचान का विवरण	129
	11.6	डेंगू के नैदानिक निदान की आवश्यकता–डेंगू विषाणु से NS1 की पहचानः पूर्व निदान का आधार एवं रोग प्रगति का पूर्व लक्षण मार्कर	131
	11.7	डेंगू ऐण्टीबाडीज की पहचान : न्यूट्राइलेजेशन	133
	11.8	डेंगू विषाणु के विरूद्ध ऐण्टीबाडीज का विवरण : समुदाय में एक से अधिक फ्लेवीविषाणुओं के परिसंचरित हेतु प्रतिपादन की समस्यायें	135
	11.9	विषाणुवत कणों/वी.एल.पी.एस. अथवा विषाणु संक्रमित चूहे के मस्तिष्क के प्रयोगोपरान्त रोगियों के सीरम से IgM कैप्चर एलाइजा के द्वारा IgM ऐण्टीबाडी की पहचान	137
	11.10	डेंगू विषाणु के आणविक पहचान में आने वाली समस्यायें एवं समाधान	139
	11.11	आर.टी. लैम्प द्वारा डेंगू विषाणु सीरोटाइप्स की त्वरित पहचान एवं विभेदन	142
	11.12	नवीन समन्वित सर्किट चिप आधारित सेन्सर से डेंगू की पहचान का विवरण	145
	11.13	डेंगू निदान की रणनीतिक योजना का विवरण : डेंगू के सम्बन्ध में केयर वाले स्थल पर परीक्षण (प्वाइंट आफ केयर टेस्ट–पी.ओ.सी.टी.)	146

	द–डेंगू नियंत्रण के नवीन पग	
12.	मच्छररोधी बाईपास डिजर्ट कूलर–वर्तमान समय की आवश्यकता	148
13.	डेंगू नियंत्रण हेतु–वैक्सीन एवं विषाणुरोधी औषधियाँ	159
	य–चिकुनगुनिया का प्रकोप : आर्थिक विभीषिका का विवरण	
14.	चिकुनगुनिया, आरर्वोविषाणु महामारी का प्रकोप	165
	र–रोगवाहक नियंत्रण एवं प्रबन्धन	
15.	ऐडीज रोगवाहकों का रसायनिक नियंत्रण एवं डेंगू निरीक्षण/सर्विलेन्स का महत्व	175
16.	रोगवाहक नियंत्रण की प्रभावी विधियाँ, जैव–पर्यावरणीय नियंत्रण	192
17.	प्रसरणशील पालीस्टराइन दानों (ई.पी.एस.बी.) की प्रायोगिक प्रभाविकता एवं क्षेत्र परीक्षण (ट्रायल)– विभिन्न जनन स्थलों पर नियंत्रण का विवरण	198
18.	जैव लार्वानाशक *बैसिलस स्फेरीकस का प्रयोगशाला एवं बैसिलस थुरिंनजिएंसिस* के क्षेत्र मूल्यांकन का विवरण	204
19.	लार्वाभक्षी मछलियों के प्रति कुछ लार्वानाशकों की तुलनात्मक विषाक्तता (कम्पेरेटिव टॉक्सीसिटी) का अध्ययन	206
20.	समन्वित रोगवाहक सामुदायिक प्रबन्धन	209
	ल–रोगवाहक प्रबन्धन के नवीन अभिगम	
21.	डेंगू एवं चिकुनगुनिया के आर्थिक भार का विवरण	214
22.	डेंगू ज्वर के बचाव एवं नियंत्रण में योजना, सामाजिक गतिशीलता एवं संचार/काम्बी की भूमिका	222
23.	रोगवाहक रोगों के निवारण में विज्ञान एवं तकनीकी विषयों के प्रमुख बिन्दुओं की भूमिका	241
24.	संक्षिप्तिका	245
25.	सन्दर्भ–सूची	248

पुस्तक प्राप्त करने के लिए ₹ 500 + ₹ 96 डाक व्यय महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के नाम से डिमाण्ड ड्राफट भेजें। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस संबंध में और अधिक जानकारी के लिए प्रमुख, प्रकाशन एवं सूचना प्रभाग, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, पोस्ट बॉक्स 4911, अंसारी नगर, नई दिल्ली – 110029 से सम्पर्क करें।
दूरभाष : 91–11–26588895, 91–11–26588980